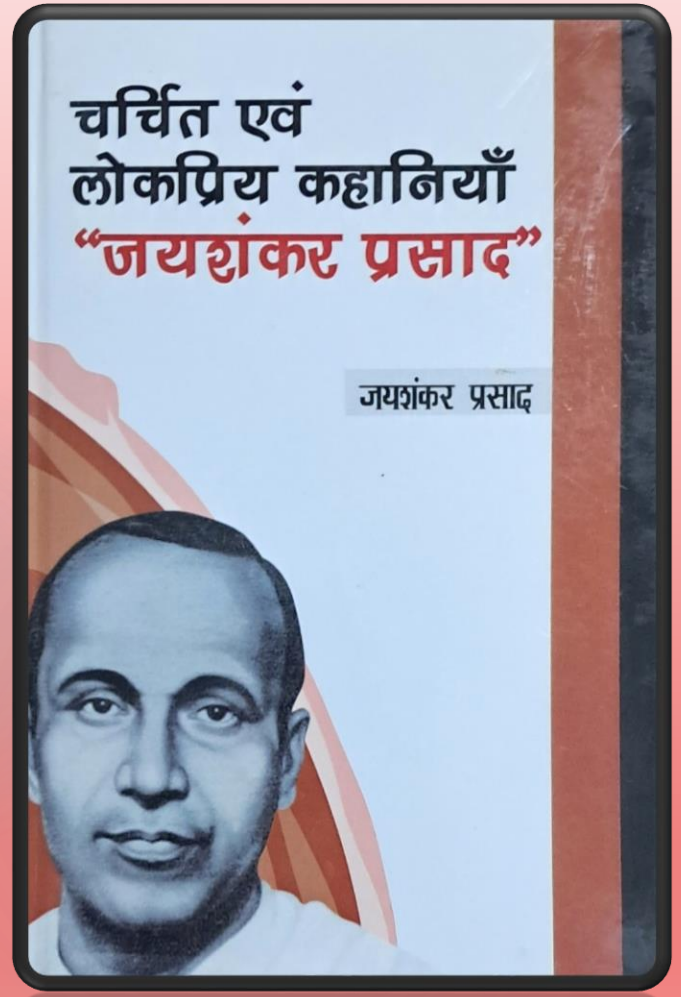

HB2910 - चर्चित एवं लोकप्रिय कहानियाँ " जयशंकर प्रसाद "

लेखक - जयशंकर प्रसाद

जयशंकर प्रसाद हिन्दी कवि के साथ-साथ नाटककार, उपन्यासकार तथा निबन्धकार थे। वे हिन्दी के छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभों में से एक हैं। उन्होंने हिन्दी काव्य में एक तरह से छायावाद की स्थापना की जिसके द्वारा खड़ी बोली के काव्य में न केवल कमनीय माधुर्य की रससिद्ध धारा प्रवाहित हुई हैं ।

यह पुस्तक प्रसिद्ध लेखक जयशंकर प्रसाद की लघु कहानी का संकलन है। जिसमे उन्होंने सामान्य जनजीवन तथा जीवन मूल्यों पर आधारित अपने विचार व्यक्त किए है। उन्होंने यहाँ भावना प्रधान प्रेमकथाएँ, समस्यामूलक कहानियाँ, रहस्यवादी, प्रतीकात्मक और आदर्शोन्मुख यथार्थवादी उत्तम कहानियाँ का प्रदर्शन किया है।

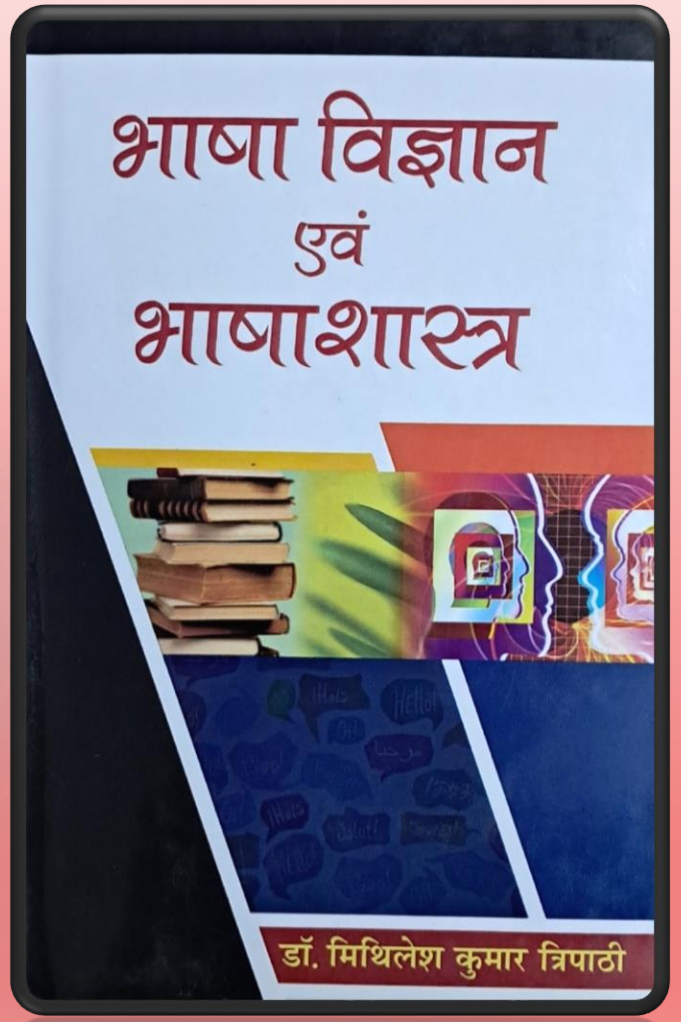

HB2914 - भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र

लेखक - डॉ. मिथिलेश कुमार त्रिपाठी

डॉ. मिथिलेश कुमार त्रिपाठी का जन्म 04 मार्च, 1964 में जौनपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था । दूध : अमृत या विष (स्वास्थ्य शिक्षा परक ग्रन्थ), महावीरोदय (प्रबन्ध काव्य) जैसे सैकड़ों लेख, शोध-पत्र देश के अनेक सम्मानित पत्र-पत्रिकाओं एवं सम्पादित ग्रन्थों में प्रकाशित है।

भाषाविज्ञान भाषा के अध्ययन की वह शाखा है जिसमें भाषा की उत्पत्ति, स्वरूप, विकास आदि का वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाता है। भाषाविज्ञान, भाषा के स्वरूप, अर्थ और सन्दर्भ का विश्लेषण करता है। भाषाविज्ञान, व्याकरण से भिन्न है । व्याकरण में किसी भाषा का कार्यात्मक अध्ययन किया जाता है, जबकि भाषाविज्ञानी इसके आगे जाकर भाषा का अत्यन्त व्यापक अध्ययन करता है।

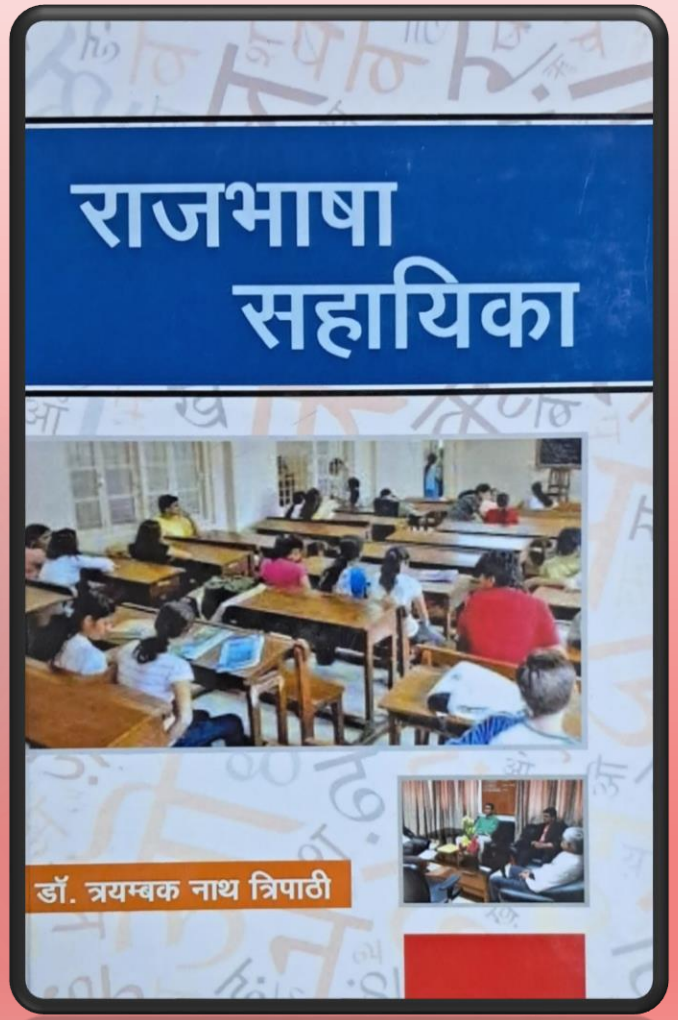

HB2911 - राजभाषा सहायिका

लेखक - डॉ. त्र्यम्बक नाथ त्रिपाठी

डॉ. त्र्यम्बक नाथ त्रिपाठी का जन्म 1 अगस्त 1978 उतर प्रदेश में हुआ था । उन्होंने हिन्दी मे एम.फिल. और पीएच. डी. की उपाधि दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राप्त की है ।

राजभाषा सहायिका वस्तुतः प्रशासनिक शब्दावली, पदनाम, अनुभागों आदि के नाम, सरकारी कार्य में प्रयोग किए जाने वाले कुछ वाक्यांशों और टिप्पणियों, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आदि से संबंधित अँग्रेजी शब्दों का हिन्दी रूपांतरित हार्ड प्रति है। भारतीय संविधान में राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए हिन्दी के अतिरिक्त 21 अन्य भाषाओं को राज्यभाषाओं का स्थान प्राप्त हुआ है। हरेक राज्य एक से अधिक भाषाओं को अपने राज्य की राज्यभाषा घोषित कर सकता हैं।

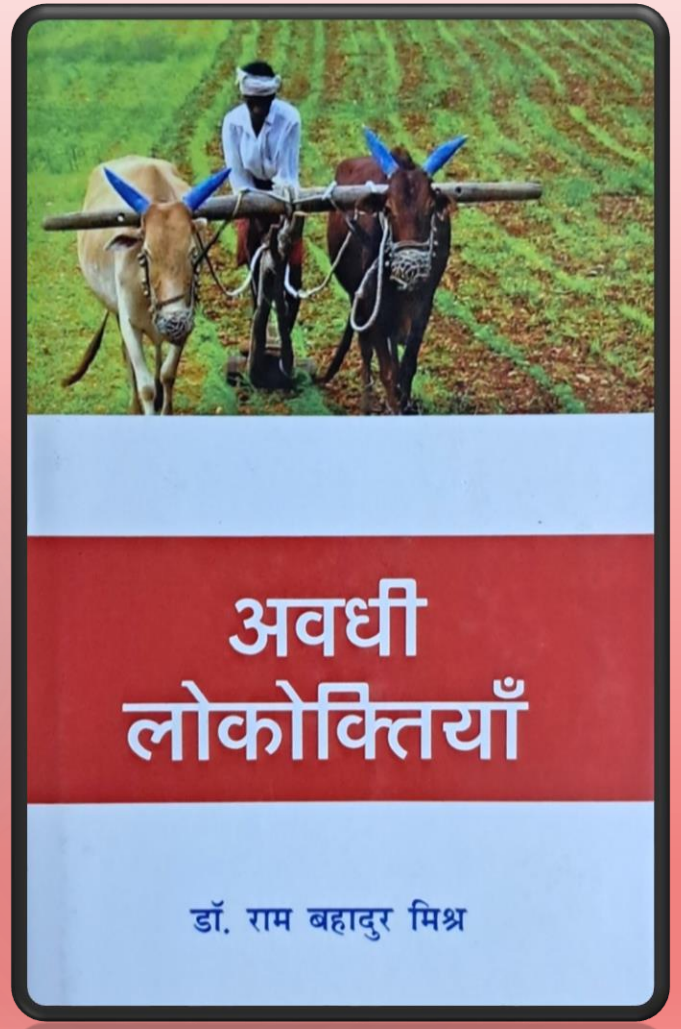

HB2918 - अवधी लोकोक्तियाँ

लेखक - डॉ. राम बहादुर मिश्र

वर्ष 2017 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. रामबहादुर मिश्र ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1985 में अवधी फाग साहित्य पर पी.एच.डी. की उपाधि मिली है । डॉ. मिश्र विगत 40 वर्षों से अवधी साहित्य सेवा में संलग्न है।

प्रस्तुत पुस्तक अवधी भाषा के प्रचलित मुहावरे और लोकोक्तियों का संग्रह है । मुहावरे और लोकोक्तियों में भेद किया जा सकता है। लोकोक्ति किसी पूर्व घटना की उपमा या दृष्टांत होने के साथ-साथ कुछ उपदेश या ज्ञान की बात भी बताती है। । प्रस्तुत पुस्तक में ठेठ अवधी मुहावरों के साथ-साथ हिंदी-उर्दू में प्रचलित मुहावरों का भी समावेश किया गया है।

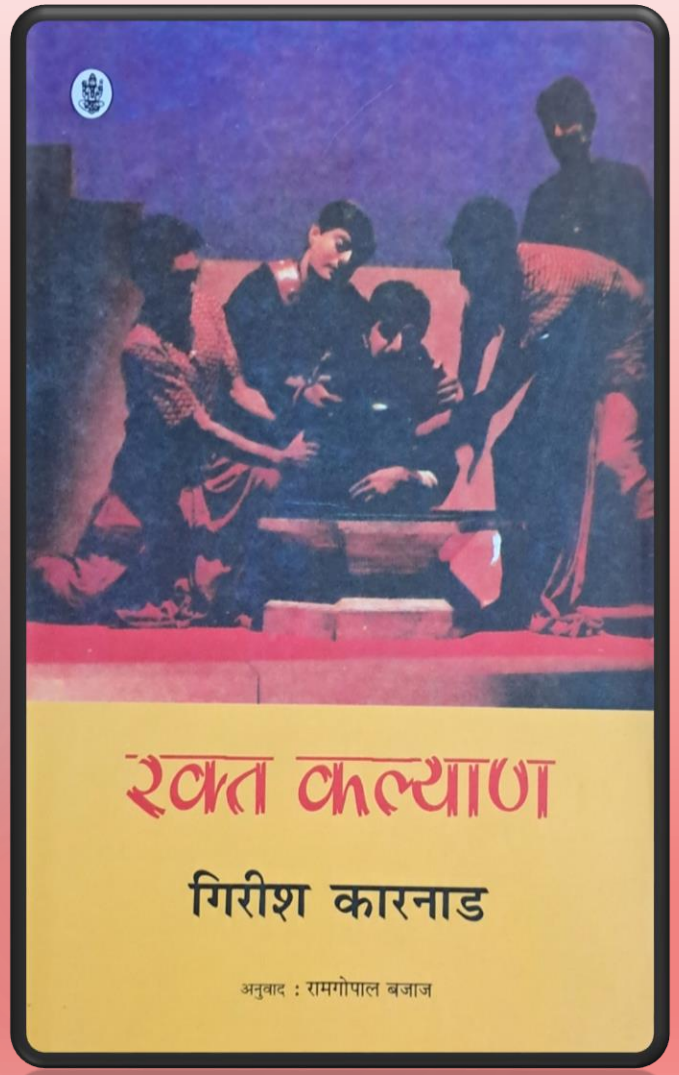

HB2904 - रक्त कल्याण

लेखक - गिरीश कारनाड

गिरीश कारनाड का जन्म 1938 में माथेरान, महाराष्ट्र में हुआ था । पहला नाटक 'ययाति' 1968 में छपा और चर्चा का विषय बना। 'तुग़लक' के लेखन-प्रकाशन और बहुभाषी अनुवादों- प्रदर्शनों से राष्ट्रीय स्तर के नाटककार के रूप में प्रतिष्ठा है । सुविख्यात रंगकर्मी और कन्नड़ लेखक गिरीश कारनाड की यह नाट्यकृति एक ऐतिहासिक घटना पर आधारित है।

बसवण्णा नाम का एक कवि और समाज-सुधारक इसका केन्द्रीय चरित्र है । ईस्वी सन् 1106-1168 के बीच मौजूद बसवण्णा को एक अल्पजीवी 'वीरशैव सम्प्रदाय' का जनक माना जाता है । इस पुस्तक में बसवण्णा के जीवन-मूल्य हैं। लेखक ने इस समूचे घटनाक्रम को बसवण्णा के जीवन से जुड़े तमाम अतर्क्य लोकविश्वासों को झटकते हुए एक सांस्कृतिक जनान्दोलन की तरह रचा है।